रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय

समाचार दर्पण

वर्ष 36/ अंक-2/ वर्ष 2018-2019

संचार अध्ययन एवं शोध विभाग के छात्रों का प्रायोगिक पत्र

विक्रय हेतु नहीं

गांधी जी के हाथ में आकर लाठी भी बन गई अहिंसा का प्रतीक: वित्तमंत्री तरूण

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर समारोह का आयोजन

जबलपुर। विश्व में जो भी मानवता में विश्वास करते हैं, वो महात्मा गांधी के विचारों और दर्शन पर भी विश्वास करते हैं। गांधी जी का पूरा जीवन अहिंसा, त्याग और सेवा के लिए समर्पित रहा। वे एक विचारधारा हैं जो हमेशा अमर रहेगी। गांधी जी ने जब लाठी को पकड़ा तो उसके मायने ही बदल दिए, उनके हाथों में आने के पश्चात लाठी भी अहिंसा का प्रतीक बन गई। उपरोक्त उद्गार मप्र शासन के वित्त मंत्री तरूण भनोत ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि मप्र शासन वित्तमंत्री तरूण भनोत, विशिष्ट अतिथि केन्ट क्षेत्र विधायक अशोक रोहाणी, विवि पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पं. आलोक मिश्र, कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र एवं मुख्य वक्ता फादर डॉ. डेविस जार्ज द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन एवं महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। अतिथियों का सम्मान सूत की माला एवं शॉल, श्रीफल के साथ किया गया।

कार्यक्रम के पूर्व में विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह के मंच से संत अलॉयसियस कॉलेज छात्र-छात्राओं द्वारा महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित 'शेष सत्य' नाटक की प्रस्तुति दी गई।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर आयोजित समारोह में विशिष्ट अतिथि केन्ट क्षेत्र विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि महात्मा गांधी ने जो भी संदेश दिए पहले उनका प्रयोग स्वयं पर किया उसके पश्चात ही लोगों को उसका संदेश दिया इसी कारण से गांधीजी के संदेश आज भी प्रभावी हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने गांधी जी की पुस्तक हिन्द स्वराज का सामूहिक वाचन करते हुए संदेश दिया कि गांधी जी ने पहले ही अपनी पुस्तक में बता दिया था कि जिनमें देशप्रेम है, मेरी सलाह है कि आप देश में-जहां रेल की बाढ़ नहीं फैली उस भाग में छः माह के लिए घूम आयें और बाद में देश की लगन लगायें, बाद में स्वराज की बात करें। स्वागत उद्बोधन एवं अतिथि परिचय कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ शिक्षाविद् फादर डॉ. डेविस जार्ज ने विविध उदाहरणों के माध्यम से बताया कि महात्मा गांधी ने जीवन पर्यन्त प्रेम, शांति और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। उनका दर्शन आज भी राष्ट्र की उन्नति और विकास के लिए प्रासंगिक है। समारोह का संचालन कार्यक्रम समन्वयक एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा ने किया।

राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर आयोजित समारोह में मप्र शासन उच्च शिक्षा के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय समारोह के सीधे प्रसारण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. एस.पी. गौतम, प्रो. जे.एम. केलर, प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय, प्रो. एस.एस. पाण्डेय, प्रो. एस.एस. संधु, प्रो. एन.जी. पेन्डसे, प्रो. पी.वी. जैन, प्रो. अलका नायक, प्रो. एस.एन. मिश्रा, प्रो. दिव्या चंसोरिया, प्रो. ममता राव, प्रो. दिव्या बागची, प्रो. पी.के. सिंघल, प्रो. आर.के. यादव, प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र, प्रो. कमलनयन शुक्ल, प्रो. वाय.के. बंसल, प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. पी.के. खरे, प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. भरत कुमार तिवारी, डॉ. राजेश्वरी राणा, डॉ. लोकेष श्रीवास्तव, प्रो. आर.पी. मिश्रा, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, डॉ. ए.के. गिल, डॉ. विशाल बत्रे, आयोजन सहसंयोजक एवं समन्वयक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. एन.के. पाण्डेय सहित सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, अतिथि विद्वान एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गांधी जी के विचार सर्वकालिक प्रासंगिक:

आज गांधी जी हमारे बीच सशरीर भले ही नहीं हों, परंतु उनके विचार सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। गांधी जी ने मानवता का व्यावहारिक पक्ष अपने आचरण से स्थापित किया। उनकी मान्यता थी कि विभिन्न बाहरी तत्व हैं, मूलतः हम सब एक हैं। भेदभाव करना अमानवीयता है। उनके इस चिंतन से समाज में बड़ा परिवर्तन आया। गांधी जी एक ऐसा व्यक्तित्व हैं, जिन्हें हम आज भी याद कर रहे हैं, उनकी धरोहरों को सम्हाल रहे हैं। हम अपने जीवन में शांति चाहते हैं। शांति गांधी जी के विचारों पर चलने से ही प्राप्त होगी। उनके प्रिय भजन सुनते हुए हम अपने दुख-दर्द भूल जाते हैं।

महामहिम राज्यपाल श्री लालजी टंडन

महात्मा गांधी के विचार को आत्मसात करे युवा पीढ़ी

युवा पीढ़ी महात्मा गांधी के विचार को आत्मसात कर सत्य और अहिंसा को अपनाए।अब यह आवश्यक हो गया है कि हम महात्मा गाँधी और उनके समतुल्य महापुरुषों के अवदान को सही परिप्रेक्ष्य में युवाओं के सामने रखा जाये और उन्हें समझाने की कोशिश की जाये। उन्होंने कहा कि महात्मा गाँधी ने हमें न सिर्फ मानवता का पाठ पढ़ाया बल्कि अहिंसा को अपनाकर सफलता हासिल करने का मार्ग भी दिखाया।

श्री जीतू पटवारी, उच्च शिक्षामंत्री, मप्र शासन

गांधी टोपी पहनकर निकली प्रभात फेरी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर आयोजित समारोह के प्रारंभ में प्रातः गांधी भजन गाते हुए गांधी टोपी धारण कर प्रभात फेरी निकाली गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक प्रो. अशोक मराठे, एनएसएस मुक्त इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवांशु गौतम, संयोजक छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र, सहसंयोजक समन्वयक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ डॉ. आर.के. गुप्ता की अगुवाई में निकली प्रभात फेरी में विवि के सभी अधिकारी, कर्मचारी, प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

वीरांगना रानी दुर्गावती के कार्यों से युवा प्रेरणा लें -कुलपति प्रो. मिश्र

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में रानी दुर्गावती जयंती के अवसर पर कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र एवं उपकुलसचिव दीपेश मिश्रा ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती के कार्यों से युवा प्रेरणा लें। वीरांगना ने गोंडवाना साम्राज्य के स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान तो दे दिया परंतु किसी भी प्रकार का समझौता न करते हुए मुगलों के आगे कभी सिर नहीं झुकाया।

कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने कहा कि रानी दुर्गावती द्वारा गोंडवाना साम्राज्य की सामाजिक समरसता के क्षेत्र में किए गए कार्य अनुकरणीय हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं अतिथि विद्वान उपस्थित रहे।

अकादमिक कैलेण्डर के अनुसार परीक्षाओं के लिए सभी का सहयोग जरूरी

जबलपुर। रादुविवि में कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेन्डसे, पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रो. राकेश बाजपेयी एवं उपकुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा की उपस्थिति में संकायाध्यक्षों एवं अध्ययन मण्डल के अध्यक्षों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में यह कहा गया कि अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष परीक्षकों की सूची समय पर दें जिसके परिणामस्वरूप पेपर सेटिंग का कार्य समयावधि में कराया जा सके एवं मूल्यांकन संबंधी कार्यों के लिए सह-परीक्षकों की सूची भी साथ में दें जिससे परीक्षा परिणाम भी समय पर घोषित हो सकें। ताकि स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाएं अकादमिक कैलेण्डर के अनुसार संचालित हो सकें। उपकुलसचिव परीक्षा डॉ. दीपेश मिश्रा ने कहा कि परीक्षकों की सूची देते समय उनके ई-मेल और मोबाइल नम्बर अवश्य दें। उन्होंने कहा कि शोध मूल्यांकन के संबंध में परीक्षक की ई-मेल से सहमति प्राप्त कर ली जावेगी जिससे समय बचेगा व समय पर शोध मूल्यांकन सम्पन्न हो जायेगा। उपकुलसचिव ने बताया कि गोपनीय विभाग के विस्तार भवन में विश्वविद्यालय के सभी विषयों की शोध मौखिकी का आयोजन किया जायेगा। इसके लिए एक कक्ष को आधुनिक तरीके से सुसज्जित किया जायेगा।

लगनशीलता, प्रतिबद्धता एवं ईमानदारी से की गई मेहनत से लक्ष्य संभव-जिलाधिकारी

जबलपुर।जीवन के लक्ष्य को पूरी लगनशीलता, प्रतिबद्धता एवं ईमानदारी से की गई मेहनत से प्राप्त किया जा सकता है । यह विचार मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर भरत यादव ने व्यक्त किए। अवसर था कैरियर गाइडेंस, काउंसलिंग, ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय 7वां नि:शुल्क वृहद रोजगार मेले के उद्घाटन का। उन्होंने छात्र-छात्राओं को समय का महत्व बताते हुए कहा कि ईमानदारी के साथ कैरियर अवसर का लाभ उठायें। साथ ही रोजगार एवं स्वरोजगार से संबंधित विभिन्न उद्योग, बैंक लोन, हथकरघा, एग्रीकल्चर, वेयर हाउस, कोल्ड स्टोरेज, सोलर एनर्जी, मिल्स इत्यादि के विभिन्न सरकारी स्कीम से छात्र-छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि भरत यादव ने कहा कि एवं विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने कहा कि कार्य करने वालों के लिए काम की कोई कमी नहीं है। लोगों के दरवाजे पर नौकरी खुद चलकर नहीं आती है एवं मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती।

उद्घाटन के दौरान विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा तथा संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने स्वागत उद्बोधन एवं कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं सभी कम्पनियों का परिचय दिया। विशिष्ट अतिथि डीएसडब्ल्यू प्रो. विवेक मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. मीनल दुबे ने किया।

इस अवसर पर प्रो. अखिलेश पाण्डे, प्रो. सुभाष शर्मा, प्रो. मृदुला दुबे, डॉ. ए.के. गिल, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. विशाल बत्रे सहित अतिथि विद्वान डॉ. ज्योति जैन, डॉ. आशा रानी, डॉ.मोह.जावेद, डॉ. दीप्ति जैन, डॉ. रानी वैद्य, डॉ. परिधि वर्मा, डॉ. निधि दरबारी, रेखा श्रीवास्तव, डॉ रंजना पांडे, डॉ. शैलेष प्रसाद, सीमा मिश्रा, डॉ. आशीष यादव, डॉ. अनुज प्रताप, डॉ मोहनिका गजाभिये उपस्थित रहे।

समापन कार्यक्रम-

द्वितीय दिवस रोजगार मेले का समापन विधायक केन्ट विधानसभा अशोक रोहाणी के मुख्य आतिथ्य, पूर्व कुलपति प्रो. जे.एम. केलर की अध्यक्षता एवं संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह की विशेष उपस्थिति में अपरान्ह 'विज्ञान भवन' में किया गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोहाणी जी ने कहा कि

आवश्यक है बाह्य एवं आंतरिक स्वच्छता

जबलपुर। रादुविवि के संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर 'स्वच्छता अभियान' कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. कमलनयन शुक्ल द्वारा की गई तथा संयोजक प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र रहे। संचालन अखिलेश मिश्रा ने किया। प्रो. कमलनयन शुक्ल अपने उद्बोधन में समस्त छात्र-छात्राओं को गांधी जी के स्वच्छता संबंधी विचारों, सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने पर बल देते हुए प्रेरित किया तथा अपने आसपास के वातावरण की स्वच्छता के साथ-साथ मानसिक, शारीरिक एवं वैचारिक स्वच्छता पर बल दिया। वहीं प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र ने अपने उद्बोधन में बाह्य एवं आंतरिक स्वच्छता की आवश्यकता की बात रखी। इस अवसर पर विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. साधना जनसारी, डॉ. जया शुक्ला, अखिलेश मिश्रा, डॉ. सरिता यादव एवं समस्त शोध छात्र, एम.ए. प्रथम तथा तृतीय सत्र के छा-छात्राएं उपस्थित रहे।

29वें कुलपति के रूप में प्रो. कपिल देव मिश्र ने कार्यभार ग्रहण किया

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 29वें कुलपति के रूप में प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा आगामी चार वर्ष की अवधि के लिए 30 नवम्बर को अपरान्ह में कार्यभार ग्रहण किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रो. मिश्र का वर्तमान कार्यकाल29 नवम्बर, 2019 को पूर्ण हो चुका है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, वित्त नियंत्रक ए.के. महोबिया, उपकुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, अध्यापक मण्डल अध्यक्ष प्रो. भरत कुमार तिवारी, प्रो. राजीव दुबे, प्रो. एस.एन. मिश्रा, प्रो. राकेश बाजपेयी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा, प्रो. अंजना शर्मा, डॉ. धीरेन्द्र पाठक, सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. आर.के. गुप्ता, एन.एस.एस. समन्वयक डॉ. अशोक मराठे, सहायक कुलसचिव सुश्री मिनाल गुप्ता एवं सुश्री मोनाली सूर्यवंशी, कर्मचारी संघ अध्यक्ष बंशबहेर पटेल, महासचिव श्रीष दुबे अतिथि विद्वान डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. अनुज प्रताप सिंह, देवांशु गौतम, छात्र नेता गण सहित प्राध्यापकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

7वां नि:शुल्क वृहद रोजगार मेले का आयोजन

अध्यक्षता करते हुए पूर्व कुलपति प्रो. केलर ने कहा कि कम्यूनिकेशन स्किल एवं प्रेजेंटेशन स्किल का लाभ उठाते हुए पूरे आत्म विश्वास के साथ अपना सर्वोत्तम देने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए। समापन सत्र में प्री-प्लेसमेंट के ट्रेनिंग के विशेषज्ञों डॉ. विवेक राजपूत, कैप्टन सुनील भारद्वाज सहित सभी कंपनी के एक्जिक्यूटिव को भी सम्मानित किया गया। संचालन डॉ. मीनल दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अजय मिश्र ने किया। इस अवसर पर विभाग के महावीर त्रिपाठी, डॉ अंजना चौधरी, सुनील कुमार, शिवानी, मानसी, शिवानी ताम्रकार, फैजान अंसारी, सलिल तिवारी, सौरभ यादव, श्रद्धा बेन, अभिषेक तिवारी, विल्कल गौतम, आयुष, जितेन्द्र, सम्यक जैन, शुभम, आशुतोष, सागर, अभिषेक आदि ने सहयोग दिया।

गांधी दर्शन के अध्ययन से ही मिलेगी जीवन में सफलता की राह-कुलपति

पत्रकारिता विभाग में महात्मा गांधी जी की पत्रकारिता पर प्रसार व्याख्यान

जबलपुर। आज पूरा विश्व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के सत्य और अहिंसा के दर्शन की उपासना कर रहा है। युवाओं के लिए जीवन में सफलता का मूलमंत्र गांधीजी के विचार और दर्शन का अध्ययन है। महात्मा गांधी जी की जयंती पर युवा गांधीजी के रचनात्मक कार्यों में जीवन में अपनाने का संकल्प लें। उपरोक्त आव्हान माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग (पत्रकारिता विभाग) में आयोजित प्रसार व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पत्रकारिता' विषय पर आयोजित प्रसार व्याख्यान का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के चित्रों पर माल्यार्पण से हुआ। व्याख्यान कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कला संकायाध्यक्ष प्रो. भरत कुमार तिवारी ने कहा कि वर्तमान पत्रकारिता की कसौटी गांधी जी पत्रकारिता की तरह सत्य और निष्पक्षता पर आधारित होनी चाहिए। गांधीजी की रामराज्य की अवधारणा एवं साध्य और साधन की पवित्रता को पत्रकारिता में होनी चाहिए।

जनभावनाओं की निर्भीकता से अभिव्यक्ति ही पत्रकारिता-

प्रसार व्याख्यान में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी जी ने लिखा है कि पत्रकारिता का पहला काम जनभावनाओं को समझना और उन्हें अभिव्यक्ति देना है। पत्रकारिता का दूसरा उद्देश्य लोगों में जरूरी भावनाओं को जागृत करना है। पत्रकारिता का तीसरा उद्देश्य निर्भीक तरीके से गड़बड़ियों को उजागर करना है। उन्होंने समाचारपत्रों के माध्यम से अपनी आवाज को जन-जन तक पहुंचाया और अंग्रेजों के विरूद्ध जनजागरण का कार्य किया।

निबंध प्रतियोगिता

महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती के अवसर पर पत्रकारिता विभाग में छात्र-छात्राओं की निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कु. श्रुति पाण्डेय बीएएमसी प्रथम सेमेस्टर को प्रथम, कु. रश्मिका सिंह बीएएमसी तृतीय सेमेस्टर को द्वितीय एवं कु. पूजा ठाकुर एमएएमसी प्रथम सेमेस्टर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रसार व्याख्यान कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक एवं आभार प्रदर्शन अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. मोहनिका गजाभिए, शोधार्थी तरूण सेन सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

युवा उत्सव में दिखा प्रतिभा और कला का अद्भुत संगम

युवा उत्सव प्रभारी डॉ आर के गुप्ता, रैली संयोजक डॉ.देवांशु गौतम कार्यक्रम अधिकारी युवा इकाई, डॉ अरुणा, डॉ.रजनी शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक की मौजूदगी में रैली में जिलेवार समस्त टीमों को अपने-अपने जिले की वेशभूषा व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते हुए रैली में आगे बढ़े। रैली में पांच छात्राएं कलश लेकर चली थी तथा रैली की समाप्ति पर कलश विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ में सौंपे एवं वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा के सामने कलश को अर्पित किया और वहां पुष्पांजलि देने के बाद रैली समाप्त हुई।

युवा उत्सव की प्रतियोगिताओं में पं. कुंजीलाल प्रेक्षागृह में एकल नृत्य शास्त्रीय से लेकर समूह नृत्य में गोंडवाना अंचल के भोजली परब लोकनृत्य, डिण्डोरी का आदिवासी नृत्य, महराष्ट्र का अइचा जोगना, गुजरात का पारम्परिक नृत्य गरबा, राजस्थान अंचल के लोकनृत्य घूमर, आदिवासी संस्कृति से ओतप्रोत कर्मा नृत्य में प्रतिभागियों ने कमाल की प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न अंचलों के लोकनृत्यों की 08 दलों द्वारा अपनी कलात्मक शैली की प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जबलपुर। सांस्कृतिक व कलश शोभायात्रा रैली के माध्यम से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में युवा उत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया। सांस्कृतिक रैली को हरी झंडी दिखाकर प्रभारी कुलसचिव डॉ. एन.जी. पेंडसे एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा ने प्रारंभ किया। कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र ने सांस्कृतिक रैली को सम्बोधित किया और सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। तीन रंगों के बैलून हवा में छोड़कर राष्ट्रगान के साथ युवा उत्सव का आगाज हुआ। पूरे युवा उत्सव में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का रचनात्मक और कलात्मक प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भारतीय संस्कृति पर नाटय प्रस्तुति

युवा उत्सव के मंच पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर आधारित विविध जिलों से आए दलों द्वारा 08 नाटकों की मंचीय प्रस्तुतियां दी गई। प्राचीन भारतीय संस्कृति पर आधारित 'अग्नि और बरखा' नाटक ने दर्शकों को तालियां बजाने मजबूर कर दिया। वहीं दूसरी ओर 'कलयुग की महाभारत' नाटक, ' जादू का सूट ' ने सामाजिक व्यवस्थाओं को बखूबी प्रदर्शित किया। जनजागरूकता का संदेश देते 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ', 'नशामुक्ति एवं अंधविश्वास' नाटक की परफार्मेंस ने लोगों को उत्साहित किया। वहीं दूसरी ओर 'ये नहीं कठपुतलियां' एवं 'इंतजार' की भावनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। *युवा उत्सव में सभी प्रतियोगिताएं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा, समन्वयक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ डॉ. आर.के. गुप्ता के मार्गदर्शन में डॉ. रजनी शर्मा, डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, डॉ. सुनील देशपांडे, डॉ. सुलेखा मिश्रा, डॉ. ज्योति श्रीवास्तव, डॉ. आरती पटेल, डॉ. सपना चौहान, डॉ. वर्षा अलगावे, डॉ. नुपुर देशकर, डॉ. मनीषा भावे, डॉ. देवांशु गौतम के सक्रिय सहयोग में सम्पन्न हुईं।*

व्यावहारिक शिक्षा आज की आवश्यकता, युगानुकूल हो पाठ्यक्रम

आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ रादुविवि द्वारा 'पाठ्यक्रमों के परीक्षण एवं परिवर्धन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

जबलपुर। वर्तमान समय की आवश्यकता है कि जो पाठ्यक्रम हो वह व्यावहारिक धरातल पर हो। इसके लिए परिवर्तन जरूरी है। इसलिए युवाओं के लिए युगानुकूल पाठ्यक्रम और व्यावहारिक शिक्षा की आवश्यकता है। पाठ्यक्रमों के परीक्षण एवं परिवर्धन में बदलती तकनीक, सामाजिक पहलुओं, रोजगार के साथ-साथ स्वालम्बन और स्वाभिमान आदि बिन्दुओं का भी समावेश होना चाहिए। उपरोक्त उद्गार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विवि विज्ञान भवन में पाठ्यक्रमों के परीक्षण एवं परिवर्धन विषय पर आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. रामराजेश मिश्र, निदेशक, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ समन्वयक प्रो. अंजना शर्मा द्वारा मां सरस्वती की वंदना एवं द्वीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत विवि अध्यापक मंडल अध्यक्ष एवं कला संकायाध्यक्ष प्रो. भरत कुमार तिवारी, विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री बंषबहोर पटेल, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. एस.एन. बागची, डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, प्रो. आर.के. यादव द्वारा किया गया।

विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ध्येय-

कार्यशाला के शुभारंभ मौके पर मुख्य अतिथि प्रो. रामराजेश मिश्र ने नैक मापदंडों और राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की सिफारिशों को रेखांकित करते हुए विस्तारपूर्वक बताया कि पाठ्यक्रमों में बदलाव समय की मांग है। विश्वविद्यालय परम्परागत सोच का पर्याय नहीं है। सदैव नित नए प्रयोग व सोच को अंगीकृत करना ही विश्वविद्यालयों का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा मंत्री के निर्देशन में म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के ध्येय के साथ इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए है। पाठ्यक्रमों के परीक्षण एवं परिवर्धन के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता के साथ मानवीय जीवन में सद्विचारों के विकास की संभावनाओं के साथ प्रकृति को भी शामिल किया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम ऐसे हों कि यदि विद्यार्थी डिग्री लेकर बाहर निकले तो उसे हाथों-हाथ लिया जाए।

पीपीटी प्रजेन्टेशन-

कार्यशाला के आरंभ में संकायाध्यक्ष प्रो. ममता राव द्वारा पीपीटी प्रजेन्टेशन के जरिए पाठ्यक्रमों के परीक्षण एवं संवर्धन के विविध पहलुओं पर सूक्ष्मता से प्रकाश डाला गया। आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. अंजना शर्मा ने बताया कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं राजनीति विज्ञान के पाठ्यक्रमों के परीक्षण एवं परिवर्धन का दायित्व सौंपा गया है। अतिथि परिचय कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, आभार प्रदर्शन प्रो. राम शंकर एवं संचालन डॉ. विशाल बन्ने ने किया। इस मौके पर रादुविवि के सभी संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

तकनीकी सत्रों का आयोजन-

पाठ्यक्रमों के परीक्षण एवं परिवर्धन विषय पर आधारित कार्यशाला के द्वितीय चरण में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. भरत कुमार तिवारी, प्रो. रामशंकर, डॉ. सुधा मेहता द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया।

शिष्टाचार शिक्षक का प्रमुख गुण-कुलपति प्रो. मिश्र

जबलपुर। हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग द्वारा आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी जयन्ती पर आयोजित व्याख्यान माला समापन एवं शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षीय आसंदी से बोलते हुए विवि कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने शिक्षकों को उत्तम कर्तव्यनिष्ठ बताते हुए कहा कि शिष्टाचार शिक्षक का प्रमुख गुण है। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन व आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया।

विभाग की अतिथि विद्वान डॉ. विपुला सिंह एवं डॉ. नीलम दुबे ने अतिथियों के स्वागत में श्रीफल, साहित्य एवं तुलसी का पौधा भेंट किया। वक्ता के रूप में सेंट एलायसियस के हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. कैरोलिन अब्राहम ने नन्द दुलारे वाजपेयी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रो. लोकेश श्रीवास्तव, डॉ. ए.के. गिल एवं अतिथि विद्वान व बड़ी संख्या में शोध छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशा रानी ने एवं आभार राखी चतुर्वेदी ने किया। मुख्य वक्ता हरिशंकर दुबे ने बताया कि साहित्य की शिला पर उद्गत रसवादी आलोचक आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी एक स्वर्णिम हस्ताक्षर हैं। वे प्रत्यक्ष आलोचक रहे पर किसी का कभी निरादर नहीं किया। काशी विवि में उन्हें अध्यापक के रूप में जवाहर की संज्ञा दी गई थी। विभाग के शोध छात्र विजय बहादुर यादव ने कहा कि प्रेमचंद, निराला और पंत जैसे साहित्यकार पर आलोचना जिसे बाद में साहित्यकारों ने स्वीकार किया। आभार प्रदर्शन दीपक कुमार ललखेर ने किया।

'गांधी दर्शन एवं चिंतन' पर प्रादेशिक स्तर पर भाषण प्रतियोगिता

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कौन्सिल हाल में कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती वर्ष पर 'गांधी दर्शन एवं चिंतन' पर प्रादेशिक स्तर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पांच विश्वविद्यालयों से आये प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और गांधी दर्शन की प्रासंगिकता एवं युवाओं की स्थिति पर अपने-अपने विचार रखे। निर्णायक की भूमिका में प्रो. पी.के. सिंघल एवं एन.एस.एस. समन्वयक डॉ. अशोक कुमार मराठे ने निभाई। भाषण प्रतियोगिता के पश्चात् परिणामों की घोषणा की गई। इस अवसर पर अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्र, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. प्रवेश पाण्डेय, डॉ. आशीष यादव, डॉ. जयनाथ यादव, बृजेन्द चतुर्वेदी, मनीष यादव, राजशरण पाण्डेय सहित प्रतिभागी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इस प्रकार रहे परिणाम

प्रथम-	जवाहर लाल नेहरू कृषि वि.वि., जबलपुर
द्वितीय-	महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय, करौंदी, जबलपुर
तृतीय-	जवाहर लाल नेहरू कृषि वि.वि., जबलपुर

बदलाव की पत्रकारिता के बीच खुले हों मन और मस्तिष्कः कृष्णकांत ओझा

जबलपुर। पत्रकारिता भी एक दर्शन है। भारत में पत्रकारिता की शुरूआत स्वतंत्रता संग्राम के बीच हुई। आज पत्रकारिता बदलाव के दौर से गुजर रही है और इस बदलाव को भी खुले मन मस्तिष्क के साथ स्वीकार करने की जरूरत है। आज पत्रकार को जनसत्ता और राजसत्ता के बीच के फर्क को लेकर संवेदनशील भी होना होगा। उपरोक्त उद्गार कृष्णकांत ओझा, वरिष्ठ पत्रकार पटना, बिहार ने विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग-पत्रकारिता विभाग में राष्ट्रीय दर्शन विषय पर आयोजित एक दिवसीय विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

पत्रकारिता विभाग में विशेष व्याख्यान का आयोजन

मुख्य वक्ता कृष्णकांत ओझा ने कहा कि आदि पत्रकार नारद मुनि से लेकर ऋषि-मुनियों ने सबके बीच पहुंचकर संवाद और चिंतन का मार्ग बताया। पत्रकारिता का उद्देश्य सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम् का होना चाहिए। महात्मा गांधी जी की पत्रकारिता का सौन्दर्य भी यही था कि वे लोगों के बीच पहुंचते और उनसे संवाद करते और जीवन भर सीखते रहे, उन्होंने अपने जीवन में सत्य और अहिंसा के मार्ग को चुना। लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जी ने भी सत्य के मूल तत्व को लेकर पत्रकारिता की, उनकी पत्रकारिता में संकल्प और दृढ़ता का भाव था। विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन करते हुए प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने कहा कि पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम की चुनौतियों एवं राष्ट्रवाद के मूल सिद्धांतों के बीच हुआ। स्वतंत्रता के पश्चात स्वतंत्रता प्राप्ति मिशन राष्ट्र के विकास के रूप में सामने आया। विश्वविद्यालय पत्रकारिता विभाग में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पखवाड़े के मौके पर भारतीय पत्रकारिता का राष्ट्रीय दर्शन विषय पर आयोजित एक दिवसीय विशेष व्याख्यान के प्रारंभ में विशिष्ट अतिथि प्रो. ए.डी.एन बाजपेयी ने कहा कि वर्तमान में पत्रकारिता वस्तुनिष्ठ होती जा रही है। डिजिटल क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन के चलते प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच का अंतर समाप्त होता जा रहा है। सामाजिक बदलाव के बीच पत्रकारिता में बदलाव भी स्वाभाविक है।

इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. मोहनिका गजभिए सहित सभी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

लोकहित और लोकमंगल के लिए हो विज्ञानः कुलपति प्रो. मिश्र

विज्ञान लोकव्यापीकरण की राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन

जबलपुर। लोकहित और लोकमंगल के लिए विज्ञान की सकारात्मक भूमिका सर्वोच्च है। समय काल परिवर्तन के साथ-साथ जिज्ञासा से ही विज्ञान के विकास को बल मिला। युवाओं को इस बात का संकल्प लेना चाहिए कि विज्ञान के सकारात्मक उपयोग से राष्ट्र विकास के लिए अपना योगदान दें। उक्ताश्य के उद्गार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने मंगलवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विज्ञान भवन में आयोजित विज्ञान लोकव्यापीकरण की राष्ट्रीय कार्यशाला जिज्ञासा के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

साइंस फॉर पीपुल्स एंड पीपुल्स फॉर साइंस विषय पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल, विज्ञान प्रसार-भारत सरकार एवं महाकोशल विज्ञान परिषद के सहयोग से विवि के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. पी.डी. जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि ने विज्ञान के सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानव के प्रतिदिन की शुरूआत और अंत विज्ञान से ही होता है। मानव जीवन के चारों ओर विज्ञान व्याप्त है। ऐसे में विज्ञान का उपयोग जीवन में भलाई और लोककल्याण के लिए होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि विज्ञान भारती नई दिल्ली के प्रवीण रामदास ने कहा कि बताया कि विज्ञान भारती में वैज्ञानिकों, शिक्षकों, शोधार्थियों से लेकर किसान तक देश व समाज को प्रगतिपथ पर ले जाने के संकल्प के साथ शामिल है। विशिष्ट अतिथि प्रो. एस.एस. ठाकुर, प्राचार्य शास. जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज ने विज्ञान के क्षेत्र में शासकीय प्रयासों की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला संयोजक डॉ. सुनीता शर्मा, शास. साइंस कॉलेज एवं आभार प्रदर्शन प्रो. सुरेन्द्र सिंह, विवि कौशल विकास विभाग प्रमुख ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, डॉ. निपुण सिलावट, मैपकास्ट, के.सी. शर्मा, चेयरमेन एनपीसी आईएल, डॉ. आनंद कोठारी, संगठन मंत्री विज्ञान भारती आदि उपस्थित रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन-

राष्ट्रीय कार्यशाला में एनपीसीआईएल द्वारा विज्ञान के चलित मॉडल्स पर आधारित विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला उद्घाटन के दौरान आयोजन समिति के प्रो. एस.पी. गौतम, प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. अंजना शर्मा, प्रो. पी.के. सिंघल, प्रो. वाय.के. बंसल, प्रो. दिव्या बागची, प्रो. आर.पी. मिश्रा, डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, डॉ अखिलेश अयाची, डॉ. शम्पा जैन, इंजी. प्रभात दुबे, डॉ. सीमा भोला, डॉ. रीता भंडारी, डॉ. साधना केशरवानी, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. मीनल आदि मौजूद रहे।

इंटर कॉलेज इवेन्ट-

राष्ट्रीय कार्यशाला के द्वितीय चरण में इंटर कॉलेज इवेन्ट हुए इसमें 'जल शक्ति अभियान' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता, 'विज्ञान की समझः समाज के लिये सहायक' विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं 'जीवन की आवश्यकता के लिए' विषय पर पेंटिंग स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इनोवेशन का है आज का युग, युवा पीढ़ी अधिक जागरूक

'प्रॉब्लम सॉल्विंग एंड डिजाइन चेकिंग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

जबलपुर। आज का युग इनोवेशन का है और आज ही युवा पीढ़ी अधिक जागरूक और इनोवोटिव है। उपरोक्त विचार प्रो. एडीएन खजपेई, पूर्व कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के एकात्म भवन में 'प्रॉब्लम सॉल्विंग एंड डिजाइन चेकिंग' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने आए हुए विद्यालय के छोटे बच्चों का उत्साह देखकर वे बहुत प्रसन्न हैं। छोटे बच्चे नन्हे वृक्ष के समान होते हैं जो कि आगे चलकर फलदार वृक्ष का रूप लेंगें। इन्हीं बच्चों में से कोई आगे चलकर कल्पना चावला तो कोई अब्दुल कलाम बनेंगे। ऐसे कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं से प्रेरित होकर ही बच्चे नए नवाचारों द्वारा समाज व देश के कल्याण में भागीदार बनेंगे।

कार्यशाला में अंतर विद्यालय व अंतर महाविद्यालय स्तर पर मॉडल व पोस्टर प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि फादर डेविस जार्ज ने कहा कि डिजाइन इनोवेशन सेंटर स्थापित करके विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया गया है। डीआईसी प्रयोगशाला में राष्ट्रीय स्तर के शोध कार्य हो रहे हैं जो शोधार्थियों के लिए बहुत लाभप्रद है। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया। अतिथियों को स्वागत प्रो. एसएस संधू डायरेक्टर, डीआईसी द्वारा किया गया। प्रो. संधू ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज व पर्यावरण के समस्याओं के समाधान हेतु आयोजित की गई है। संचालन डॉ. पूनम शर्मा व आभार प्रदर्शन डॉ. सुनील कुमार ने किया।

पोस्टर एवं मॉडल्स का प्रदर्शन-

कार्यशाला के दौरान मॉडल्सऔर पोस्टर्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायकों द्वारा इनका निरीक्षण किया गया प्रतियोगिता में कुल 80 पोस्टर व 35 मॉडल्स का प्रदर्शन किया गया जिसमें वे मुख्य इस प्रकार रहे।

1. वाटर ड्रेनेज सिस्टम– सेंट अलायसियस इंस्टीट्यूट द्वारा बनाया गया जिसमें वर्षा का जल सड़कों या गड्ढों में भर जाता है उसकी निकासी समस्या को दूर करेगा।

2. ग्रीन बिल्डिंग– सेंट अलायसियस इंजीनियरिंग कॉलेज बिल्डिंग में हरियाली बनाए रखने व प्रदूषण दूर करने के लिए ग्रीन बिल्डिंग का मॉडल बनाया गया।

3. कंस्ट्रक्शन साइट डेवलपमेंट– सेंट अलायसियस कॉलेज द्वारा बायो कंक्रीट सीमेंट बनाया गया जो कि लो कॉस्ट है और इको फ्रेंडली है यह कंक्रीट व्यर्थ प्लास्टिक व कचड़े द्वारा बनाया गया है जो कि सड़कों पर बिछाकर सड़कों को मजबूत बनाया जा सकता है।

4. अंडर वाटर हाईवे– सेंट अलायसियस कॉलेज द्वारा पानी के अंदर रोड बनाने का आईडिया किया गया है जोकि ट्रैवलिंग का टाइम कम करेगा और विश्व के लिए एक इतिहास बनेगा।

5. वॉटर रीसाइक्लिंग,– निर्मला हाई स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा पानी की बचत करने हेतु वाटर रीसाइक्लिंग पर मॉडल तैयार किया गया है इस मॉडल के द्वारा पानी को पुनः उपयोग में कैसे लाया जा सकता है इस पर यह मॉडल तैयार किया गया है।

6. स्मार्ट डस्टबिन– सेंट जेवियर स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा स्मार्ट डस्टबिन बनाया गया जोकि ऑटोमेटेकली बंद हो जा होता है और 5 सेकंड के बाद कवर बंद हो जाता है।

7. वेस्ट चार्जर-यह चार्जर एलईडी बल्ब के द्वारा बनाया गया इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण पर विभिन्न पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

पोस्टर (विद्यालय स्तर)-
1. इशांक यादव (सेंट जेवियर स्कूल)
2. प्रणय दुबे (डीपीएस मंडला रोड)
3. उज्जवल चतुर्वेदी (डीपीएस मंडला रोड)

मॉडल (विद्यालय स्तर)
प्रथम -आदित्य सिन्हा (डीपीएस मंडला रोड)
द्वितीय -आयुषी यादव (सेंट जेवियर स्कूल)
तृतीय -अंजली सिंह (डीपीएस मंडला रोड)

पोस्टर (महाविद्यालय स्तर)
1.इको फ्रेंडली कलर -प्रियंका विश्वकर्मा, भारती सिंह (माता गुजरी महाविद्यालय)
2.मास्किटो ट्रैपर - शिवानी, शबाना, सपना (रादुविवि)
3.बायोप्लास्टिक - सेंट अलायसियस महाविद्यालय

मॉडल (महाविद्यालय स्तर)
1. मल्टीपरपस मेकेनिस्म - सेंट अलायसियस कॉलेज
2. मूविंग लेडर - सेंट अलायसियस इंस्टीट्यूट
3. पोर्टेबल सेन्ट्रीफ्यूज - अंकित पटेल, पूजा (रादुविवि)

शिक्षा अध्ययन के साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा भी जरूरी: कुलपति प्रो. मिश्र

विधि विभाग में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

जबलपुर। विद्यार्थियों को शिक्षा अध्ययन के साथ स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी है। ये आव्हान कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विधि के विधि विभाग में शिक्षक दिवस का पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए किया।

कायक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रज्ञा मिश्रा ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को समुदाय, एकता व समरसता बनाए रखने हेतु निर्देशित किया तथा सुंदर सी कविता विद्यार्थियों प्रगति मार्ग पर पढ़ो और सुख पाओ हर्ष उल्लास मनाओ.... के द्वारा छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन किया। मंच संचालन तृतीय सेमेस्टर के छात्र नीरज श्रीवास्तव तथा छात्रा कुमारी निशा दुबे ने किया। शिक्षक दिवस के मौके पर कथक भरतनाट्यम, पश्चात संगीत पर नृत्य तथा शास्त्री संगीत पर नृत्य ने सबका मन मोह लिया। समूह नृत्य के रूप में हर सेमेस्टर के छात्र छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया कार्यक्रम का बीच में मंच संचालन समम सेमेस्टर के छात्र दीपक मिश्रा व सरफराज ने भी किया। कार्यक्रम में छात्रों ने कॉफी विद करण की थीम पर डॉ. कैप्टन शर्मा, प्रो. दिव्या चंसौरिया, प्रो. ममता राव, डॉ नीना प्यासी व मिस अंकिता बिसेन को मंच पर बुलाकर इन विशिष्ट प्राध्यापकों का मंच पर साक्षात्कार लिया व उनके अनुभव जीवन व शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को जाना। अंत में विभागाध्यक्ष प्रो. ममता राव व प्रो. दिव्या चंसौरिया ने छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए साधुवाद दिया। साथ ही छात्र-छात्राओं ने विधि विभाग की सफाई कर्मी श्रीमती ज्योति को वस्त्र व उपहार देकर सम्मानित किया।

संविधान में ही है भारत की आत्मा

जबलपुर। भारत की आत्मा संविधान में ही है। एक समय था न राज्य था न राजा था। किसी भी गलती की सजा इच्छानुसार दी जाती थी किन्तु आज समय बदल चुका है। आज ऐसा नहीं है क्योंकि आज भारत का संविधान है। न्याय की स्थापना के लिए संविधान का होना जरूरी है। उपरोक्त विचार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विधि विभाग में आयोजित संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। विधि विभाग के सभागार में ''संविधान दिवस'' कार्यक्रम में विधि विभागाध्यक्ष प्रो. ममता राव एवं पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. दिव्या चंसौरिया भी मंचासीन रहीं।

मनुष्य को किसी भी उंचाई पर ले जा सकता है गणित

जबलपुर। गणित कठिन जरूर है लेकिन असाधारण नहीं है। उन्होंने बताया कि गणित मनुष्य को किसी भी ऊँचाई तक ले जा सकता है। ये जानकारी प्रो. पी.एन. पाण्डेय, कुलपति, नेहरू ग्राम भारती वि.वि. प्रयागराज ने रादुविवि के गणित एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग में आयोजित विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दी।

गणित एवं कम्प्यूटर विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि गणित एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग की नींव तत्समय ख्यातिलब्ध गणितज्ञ प्रो. टी. पति के द्वारा रखी गई थी। साथ ही उनके बाद प्रो. एच.पी. दीक्षित, प्रो. एस.डी. त्रिपाठी एवं अन्य विद्वानों का योगदान भी अतुलनीय रहा है। कार्यक्रम में संकायाध्यक्ष प्रो. मृदुला दुबे, प्रो. वीरेन्द्र उपाध्याय चित्रकूट, प्रो. डी.के. गुप्ता, पूर्व कुलपति जयप्रकाश वि.वि. छपरा, प्रो. एस.एस. पाण्डेय, पूर्व कुलपति विक्रम वि.वि. उज्जैन, डॉ. विष्णु नारायण मिश्र मंचासीन रहे। संचालन ऋषभ तिवारी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. जे.के. मैत्रा ने किया। इस अवसर पर प्रो. एस.एस. राणा, अतिथि विद्वानों में डॉ. धीरेन्द्र कुमार, प्रतिभा जय सिंह, संदीप चौरसिया, विभाग के शोधार्थियों सहित विभाग के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

वि.वि. परिसर में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में हाल की घटना के दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी एवं विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जिससे विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण निर्मित रहें। यह निर्णय रादुविवि में कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, अधिष्ठाता, महाविद्यालयीन विकास परिषद् प्रो. जे.एम. केलर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा तथा कुलानुशासक एवं वार्डन, देवेन्द्र पुरुष छात्रावास प्रो. आर.के. यादव की उपस्थिति में कुलपति कक्ष में आयोजित बैठक मे निर्णय लिया गया। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि छात्र-छात्राओं को परिचय पत्र अनिवार्य किया जायेगा। कि इस अवसर पर पकुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, वार्डन, महिला छात्रावास डॉ. देवीलता रावत एवं अधीक्षक, देवेन्द्र पुरुष छात्रावास डॉ. प्रकाश दुबे उपस्थित रहे।

विधि विभाग के विद्यार्थियों ने शिमला में लहराया परचम

जबलपुर। रादुविवि विधि विभाग के छात्र-छात्राओं की 3 सदस्यीय टीम अंकित चोपड़ा, लावण्या वर्मा और निल्या पटेल काछी ने हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, शिमला द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता' में भाग लिया एवं प्रथम स्थान अर्जित किया। इन्हें विजेता ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र एवं रु. 15,000/- नकद राशि पुरुस्कार में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अजय मोहन गोयल द्वारा प्रदान की गई। प्रतियोगिता के पहले दिन तीन चरण थे जिसमें टीम की उत्तीर्ण भागीदारी रही और अव्वल नंबर से फाइनल में पहुंची। प्रतियोगिता का अंतिम चरण उच्च न्यायालय के 3 वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा परखा गया। जिसमे पूर्व महाधिवक्ता श्री डुंगरा ने बच्चों की काफी प्रशंसा की।

छात्रा ने अपना आभार प्रकट करत हुए अपने गुरु जनों को श्रेय दिया। कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र एवं कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, ने इस उपलब्धि के लिए टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यह विभागाध्यक्ष प्रो. ममता राव एवं विभाग के अन्य शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का प्रतिफल है।

उल्लेखनीय है कि नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, भोपाल में भी विगत सप्ताह आयोजित तैराकी प्रतियोगिता 2019 में विभाग की विरुधिका ने प्रथम एवं वैभव गुप्ता तथा अलनीश खत्री ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर, पुष्पांजलि देकर उन्हें याद किया

जबलपुर। रादुविवि में भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्र एवं अम्बेडकर स्टडी सेंटर के निदेशक प्रो. रामशंकर की उपस्थिति में डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित की गई।

कुलपति ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरूष किसी, धर्म, जाति, अथवा वर्ग के बन्धन से ऊपर उठकर सम्पूर्ण राष्ट्र की धरोहर होते हैं। इनके +ण से राष्ट्र कभी मुक्त नहीं हो सकता। कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने संविधान जैसे महाग्रंथ का निर्माण कर समाज एवं राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रो. रामशंकर ने भी संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतत्व पर अपने विचार रखते हुए बताया कि बाबा साहेब ने सदा वंचितों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए संघर्ष किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अजाक्स संघ के अध्यक्ष अजय झारिया ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर का जीवन संघर्षों भरा रहा। उन्होंने सामाजिक समरसता और परस्पर सद्भाव एवं आपसी भाईचारे को कायम रखने प्रयास किए, ये उन्हीं के प्रयासों का प्रतिफल है कि आज भारतीय समाज विविधता में एकता की मिसाल पेश कर रहा है। इस अवसर पर प्रो. सुभाषचन्द शर्मा, डॉ. देवीलता रावत, डॉ. आर.के. गुप्ता, सुखदीन कटारे, लक्ष्मीनारायण गौड़, तीरथलाल बर्मन, डॉ. संतोष सिंह, डॉ. हरेकृष्ण पाण्डेय, सुनील मिश्रा, संतोष पाण्डेय, सुनील दुबे, चन्दसेन वर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 200 छात्राओं को मिला लाभ

जबलपुर। रादुविवि में स्वास्थ्य केन्द्र एवं महिला अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में कस्तूरबा महिला छात्रावास में कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र एवं महिला छात्रावास की वार्डन डॉ. राजेश्वरी राणा की उपस्थिति में को प्रातः नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विधि चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय श्रीवास्तव, आयुर्वेदाचार्य डॉ. जी.एल. टिटोनी, होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. चांदवानी एवं शैल्बी हास्पिटल की डॉ. स्नेहा ने अपनी सेवाएं दी। इस शिविर में छात्रावास की लगभग 200 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा चिकित्सीय सलाह दी गई। इस अवसर पर डॉ. जया सिंह, अधीक्षिका कमलेश्वरी ठाकुर सहित महिला छात्रावास की छात्राएं उपस्थित रहीं।

रादुविवि में नेक की तैयारियां की समीक्षा

जबलपुर। रादुविवि में कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, प्रभारी कुलसचिव प्रो. एन.जी. पेन्डसे एवं आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. अंजना शर्मा की उपस्थिति में आयोजित बैठक में सभी विभागाध्यक्षों को कहा गया है कि आंतरिक मूल्यांकन गुणवत्ता प्रकोष्ठ को अपने विभाग के एक्यूएआर की जानकारी अनिवार्य रूप से देवें, जिससे 2020 में होने वाले नेक की तैयारियों को गति दी जा सके। यदि किसी तरह की कोई समस्या आ रही हो तो इस संबंध में समन्वयक से चर्चा कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रो. जे.एम. केलर, प्रो. आर.के. यादव, प्रो. राजीव दुबे, प्रो. रामशंकर, प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. शैलेष चौबे, प्रो. एस.एन. मिश्र, प्रो. मृदुला दुबे, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. आर.पी. मिश्रा, प्रो. ममता राव, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, डॉ. ए.के. गिल, डॉ. जे.के. मैत्रा, डॉ. राजेश्वरी राणा, डॉ. विशाल बत्रे, डॉ. रामकुमार गुप्ता एवं डॉ. संजय श्रीवास्तव उपस्थित थे।

अत्यंत आवश्यक है वातावरण को भी शुद्ध रखना, इंजीनियर्स पर है बड़ी जिम्मेदारी

अभियंता दिवस के मौके पर वि.वि. के 'विज्ञान भवन' में विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन

जबलपुर। इंजीनियरिंग की 16 से 20 विधाएं हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करतीं हैं। इंजीनियर्स को अपने आसपास के वातावरण को भी शुद्ध रखना अत्यंत आवश्यक है अन्यथा वातावरण अशुद्ध होने की दशा में कार्य भी अशुद्ध हो जाता है। यह विचार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में व्यक्त किए। अवसर था रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय व्यवसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान द्वारा अभियंता दिवस के अवसर बी.वोक बी.सी.टी./एम.एल.टी. के छात्र-छात्राओं एवं कौशल विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं हेतु विशेष व्याख्यान माला का आयोजन विज्ञान भवन में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्य अतिथि प्रो. तरुण कुमार आनंद, चेयरमेन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स ने अपने वक्तव्य में कहा कि नये भारत की निर्माण कार्य में इंजीनियर्स की अहम् भूमिका है जिसमें अंडर वॉटर कंस्ट्रक्शन के नये नये प्रोजेक्ट की जानकारी दी जिसमें कोलकाता में पानी के अंदर मेट्रोरेल का निर्माण किया जा रहा है जो कि नये भारत के निर्माण में इंजीनियर्स का योगदान दिख रहा है। विशिष्ट अतिथि प्रो के. सी. जैन, ज्ञान गंगा इंजीनियरिंग कॉलेज ने कहा कि देश के इंजीनियर्स की देश ही नहीं विदेशों में एक ईमानदार व्यक्तित्व की छवि है। छात्रों से आव्हान किया कि निष्ठा के साथ अध्ययन एवं कार्य करने से आत्मबल मिलता है और लोग अपने कार्यों से ही अपनी पहचान बनाते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. संजय वर्मा, तक्षशिला इंजीनियरिंग कॉलेज ने छात्रों को बताया कि लिखित पढ़ाई के साथ प्रायोगिक अध्ययन भी नितांत आवश्यक है प्रायोगिक कार्य करने से कार्य करने में आत्मविश्वास की बढ़ोत्तरी होती है।

विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि भारतरत्न मोक्षगुडम् विश्वश्वैरया जी द्वारा अभियांत्रिकी के क्षेत्र में दिये गये योगदान को उनके जन्म दिवस के रुप अभियंता दिवस के रुप में मनाया जाता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीनल दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अजय मिश्रा नें किया । कार्यक्रम में उपस्थित इं. महावीर त्रिपाठी, डॉ. राखी शर्मा, डॉ. अंजना चौधरी, सुनील कुमार, सलिल तिवारी, सोनल तामकार, शिवानी तामकार, अनिल विश्वकर्मा, शुभम् पंचेश्वर, हेमंत कुमार, आशुतोष सिंह, अनुश्री, शिखा, स्नेहा उपस्थित रहे।

आधुनिक भारत के निर्माता माने जाते हैं पं. नेहरू: केबिनेट मंत्री लखन घनघोरिया

पं. नेहरू आधुनिक भारत के निर्माता माने जाते हैं। भारत के प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी तथा सामाजिक विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उपरोक्त उद्गार सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग मप्र शासन, केबिनेट मंत्री लखन घनघोरिया ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की 130वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देश के परिपालन में विश्वविद्यालय द्वारा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी की 130वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पं. नहेरू जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू आधुनिक भारत के राष्ट्र निर्माता थे। मुख्य वक्ता प्रो. आलोक चंसोरिया ने पं. नेहरू के जीवन वृतांत एवं भारतीय स्वतंत्रता में उनके अतुलनीय योगदान के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। मुख्य वक्ता प्रो. चंसोरिया ने पं. नेहरू के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। आभार प्रदर्शन कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा ने आभार प्रदर्शन तथा मंच संचालन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र-गान से किया गया। इस अवसर पर प्रो. एस.पी. गौतम, प्रो. दिव्या चंसोरिया, प्रो. राजीव दुबे, प्रो. अखिलेश पाण्डेय, प्रो. प्रियव्रत शुक्ला, प्रो. पी.के. सिंघल, प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. दिव्या बागची, डॉ. ए.के. गिल, समस्त अतिथि विद्वान, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इलेक्ट्रानिक मीडिया को ऊँचा दर्जा प्रदान करने में सहायक है स्पष्ट दृष्टि

रादुविवि पत्रकारिता विभाग में डॉ. जे.एस. मूर्ति स्मृति में इलेक्ट्रानिक मीडिया तकनीक विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर। वर्तमान समय में इलेक्ट्रानिक मीडिया जनसंचार के सबसे सशक्त माध्यम के रूप में उभरा है। सभी विषयों पर स्पष्ट दृष्टि ही इलेक्ट्रानिक मीडिया की विश्वसनीयता और आनंद को ऊँचा दर्जा प्रदान करते हैं। उपरोक्त उद्गार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग [पत्रकारिता विभाग] द्वारा आयोजित डॉ. जे.एस. मूर्ति स्मृति में 'इलेक्ट्रानिक मीडिया तकनीक' विषय पर कार्यशाला का उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विज्ञान भवन, कौशल विकास संस्थान में 'इलेक्ट्रानिक मीडिया तकनीक' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश राज्यसभा टेलीविजन के पूर्व कार्यकारी निदेशक राजेश खरदल ने बताया कि वर्तमान समय में इलेक्ट्रानिक मीडिया इंडस्ट्री सबसे तेजी से विकास करने वाली इंडस्ट्री के रूप में उभरी है। इतनी बड़ी इंडस्ट्री के लिए बड़ी संख्या में ट्रेंड लोगों की आवश्यकता है। इलेक्ट्रानिक मीडिया में भाषा का महत्वपूर्ण स्थान होता है जो शब्दों के रूप में लोगों के दिलों में उतर जाती है। उन्होंने महात्मा गांधी, माखन लाल चतुर्वेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, सरदार भगत सिंह आदि की पत्रकारिता के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि सारे दबावों को झेलते हुए इनकी पत्रकारिता किसी के आगे झुकी नहीं यही आज की इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए अनुकरणीय होना चाहिए। सारस्वत अतिथि प्रो. भरत कुमार तिवारी ने पं. जवाहर लाल नेहरू को उनकी जयंती पर नमन करते हुए कहा कि इलेक्ट्रानिक मीडिया सम्प्रेषण की तकनीक के कारण ही आज लोगों की प्राथमिकता बन गया है। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने पत्रकारिता में इलेक्ट्रानिक मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के आरंभ में अतिथि परिचय विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने प्रस्तुत किया। संचालन छात्रा प्रज्ञा मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव ने किया।

तकनीकी सत्रों के आयोजन-

पत्रकारिता विभाग द्वारा डॉ. जे.एस. मूर्ति स्मृति 'इलेक्ट्रानिक मीडिया तकनीक' पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र में आकाशवाणी के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बैजनाथ गौतम ने रेडियो से परिचय करते हुए विविध रेडियो कार्यक्रमो एवं रेडियो समाचार लेखन की तकनीक पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। बीएसएनएल के पूर्व जनसम्पर्क अधिकारी लक्ष्मीकांत शर्मा ने जबलपुर के ऐतिहासिक महत्व एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया की शुरूआत की चर्चा की। सहारा समय के राजीव नामदेव ने वीडियोग्राफी की तकनीकी जानकारी प्रदान की। द्वितीय सत्र में सहारा समय जबलपुर प्रमुख सुमन पुरोहित ने टेलीविजन समाचार लेखन एवं तकनीक से प्रतिभागियों को अवगत कराया। मप्रराविमं के जनसम्पर्क अधिकारी पंकज गोस्वामी ने फिल्म प्रोडक्शन तकनीक की बारीकियों की जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दौरान पत्रकारिता विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. प्रमोद पाण्डे, डॉ. मोहनिका गजभिए, कौशल विकास विभाग के डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. मीनल, सुनील सिंह सहित पत्रकारिता विभाग के सभी छात्र-छात्राएं एवं शोधार्थी मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण जन-जन का दायित्व

जबलपुर। पर्यावरण क का संरक्षण जन-जन का दायित्व है। उपरोक्त आव्हान कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विवि के यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र (एकेडेमिक स्टॉफ कालेज) में 'पर्यावरण अध्ययन एवं आपदा प्रबंधन' विषय पर 'रिफ्रेशर कोर्स समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए किया। उन्होंने पर्यावरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में अवगत कराते हुए प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र में 'रिफ्रेशर कोर्स' का

रिफ्रेशर कोर्स समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. उर्मिला देवी ने विभिन्न आयामों में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने यू.जी.सी. एवं मानव संसाधन विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की । विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रज्ञा मिश्रा, महात्मा गांधी ग्रामोदय वि.वि. ने बड़े ही रोचक ढंग से पर्यावरण संरक्षण को मंत्रोच्चारण एवं रामचरित मानस की चौपाइयों के माध्यम से समझाया। कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा ने विश्वविद्यालय के यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र की विकास यात्रा एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। मानव संसाधन विकास केन्द्र की प्रभारी निदेशक डॉ. राजेश्वरी राणा ने बताया कि 4 नवम्बर से 16 नवम्बर तक आयोजित इस 'पुनश्चर्या कार्यक्रम' में महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के 42 शिक्षक प्रतिभागीगण सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती चौधरी तथा आभार प्रदर्शन मानव संसाधन विकास केन्द्र के सहायक संचालक डॉ. संजीव पाण्डेय ने किया।

भारतीय संविधान का मूल ढांचा है लोकतंत्र: एड. आदर्श मुनि त्रिवेदी

विधि विभाग में संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का समापन

जबलपुर। लोकतंत्र भारतीय संविधान का मूल ढांचा है एवं विधि कानून बनाते समय उसका जनता पर पड़ने वाले प्रभाव का भी ध्यान रखना चाहिए। संसदीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए संसद के विधायकों पर बहस होना चाहिए। वर्तमान समय में बहस की परंपरा धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। उपरोक्त विचार म.प्र. उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता आदर्श मुनि त्रिवेदी ने 'संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

रादुविवि के विधि विभाग में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि युवा ही राष्ट्र का निर्माता है प्रतिभा को कोई रोक नहीं सकता। प्रतिभा किसी की बंधक नहीं होती है न किसी जाति न धर्म की। प्रतिभा अजर एवं अमर है, जो व्यक्ति के साथ ही रहती है इसलिए कभी भी निराश नहीं होना चाहिए। हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए। मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती, लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती। कार्यक्रम के प्रारंभ में संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. ममता राव द्वारा स्वागत भाषण का वाचन किया। संचालन अंकिता बिसेन ने किया एवं प्रो. दिव्या चंसोरिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर विधि विभाग के शिक्षक अश्विनी जयसवाल, डॉ. देवीलता रावत तथा अतिथि विद्वानों में डॉ. शरद साहू, डॉ. उमाकांत गजबीर, डॉ. नीना प्यासी, अर्पण शुक्ला सहित विभाग की छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता के परिणाम

विजेता ग्रुप-	मीमांसा दुबे, पीयूष देव, अपूर्वा पाठक।
उप-विजेता ग्रुप-	दीपशिखा विश्वकर्मा, दीपक मिश्रा, शिरीष राव शर्मा
बेस्ट स्पीकर ग्रुप-	अनाम खान, विराज झा
बेस्ट रिसर्च ग्रुप-	अंजली तिवारी, भानु प्रताप सिंह, समृद्धि राव
बेस्ट सांसद-	अब्दुल अलीम

राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रथम प्रतीक चिन्ह है हिन्दी

हिन्दी विभाग में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन

जबलपुर। हिन्दी के आगे वर्तमान समय में पूरा विश्व अपना शीश झुका रहा है। हमारे स्वाभिमान का प्रथम प्रतीक चिन्ह हिन्दी ही है। उपरोक्त विचार हिन्दी के प्रखर विद्वान आचार्य हरिशंकर दुबे ने शनिवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रमों के समापन अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

हिन्दी दिवस के मौके पर विवि के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वागत भाषण हिन्दी विभाग प्रभारी प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला संकायाध्यक्ष प्रो. भरत कुमार तिवारी ने कहा कि भाषा सम्प्रेषण का माध्यम है। समूचा विश्व हिन्दी भाषा की मिठास को महसूस कर रहा है। सभी को आशा है कि जल्द ही हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप ख्यातिलब्ध होगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इतिहास विभाग के प्रो. सुभाष शर्मा ने बताया कि भारत के स्वाधीनता संग्राम के दौरान सबसे प्रमुख भाषा हिन्दी थी और आज वह पूरे विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बनने जा रही है। विशिष्ट अतिथि बीएड विभाग प्रभारी डॉ. ए.के. गिल ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है, और सभी को उसपर गर्व होना चाहिए। हिन्दी दिवस कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजिका डॉ. अशारानी ने किया। आभार प्रदर्शन हिन्दी विभाग की अतिथि विद्वान श्रीमति राखी चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग की अतिथि विद्वान डॉ. विपुला सिंह, डॉ. नीलम दुबे, कर्मचारी उमाशंकर मिश्र, प्रमिला उइके का सक्रिय योगदान रहा। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अतिथि विद्वान एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम में हिन्दी दिवस पखवाड़ा कार्यक्रम के दौरान निबंध, पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

बाल संरक्षण व जागरूकता हेतु प्रशिक्षित हुए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी

जबलपुर। बाल अधिकारों पर काम करने वाली संस्था ''आवाज'' और मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग-एन.एस.एस. के संयुक्त तत्वावधन मे बाल संरक्षण के लिए एक विशेष कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसका नाम ''यूथ एज चैम्पियन फॉर चाइल्ड प्रोटेक्शन'' है। यह कार्यक्रम यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से मध्य प्रदेश शासन के आदेशानुसार राज्य के दो विश्वविद्यालयों परिक्षेत्र जिसमें क्रमशः बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त समस्त 16 जिलों में संचालित किया जाएगा । इस कायक्रम में एनएसएस के अंतर्गत विभिन्न संरचनाओं का अलग-अलग समय पर प्रशिक्षण कर उन्हें बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों के सन्दर्भ में तैयार किया जाएगा। एनएसएस वालंटियर द्वारा वर्ष भर होने वाली गतिविधियों में बाल संरक्षण को समाहित किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 75000 युवा स्वयंसेवक जुड़ेंगे। मध्यप्रदेश बाल संरक्षण के मामले में अत्यंत संवेदनशील है। अतएव इस कार्यक्रम के अंतर्गत युवा स्वयंसेवकों को जागरूक करते हुए उनके माध्यम से जनसामान्य को जागरुक करने की यह अनूठी परियोजना है। यह परियोजना एनएसएस, आवाज और यूनिसेफकी संयुक्त पहल है।

बाल संरक्षण विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुये कार्यक्रम समन्वयक प्रो अशोक कुमार मराठे ने बताया कि उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय मे दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन केन्द्र (एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज) में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय परिक्षेत्रांतर्गत 08 जिलों से 01 नोडल अधिकारी एवं 40 कार्यक्रमक अधिकारियों ने सहभागिता कर प्रशिक्षण किया। इस दौरान आवाज संस्था भोपाल के निदेशक प्रशान्त दुबे, गौरव म्हसे एवं आसमां खान द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जबलपुर से राज्य कोर समिति के सदस्य प्रो. अशोक कुमार मराठे, डॉ. देवांशु गौतम एवं प्रदीप सेन द्वारा उक्त कार्यक्रम का संयोजन किया गया।

स्वतःप्रेरणा से ट्रैफिक नियमों का करें पालन

यातायात नियमों के अनुपालन एवं सड़क सुरक्षा हेतु संकल्प कार्यक्रम

जबलपुर। मानव जीवन अनमोल होता है। हमें इस बात का संकल्प लेना है कि किसी सड़क दुर्घटना में किसी का जीवन न जाए। जब नियमों का पालन किया जाएगा तभी, जीवन सुरक्षित रहेगा। लोगों में जागरूकता ऐसी होनी चाहिए कि स्वतः प्रेरणा से ट्रैफिक नियमों का पालन होना चाहिए। ये प्रेरक आव्हान कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन के समक्ष यातायात नियमों के अनुपालन एवं सड़क सुरक्षा हेतु संकल्प एवं शपथ कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए ।

विश्वविद्यालय मुख्य प्रशासनिक भवन के समक्ष यातायात पुलिस एवं विजन ऑर्डनेंस जबलपुर के तत्वावधान में आयोजित संकल्प एवं शपथ कार्यक्रम में कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र, लोकपाल रिटा. जस्टिस भागचंद मलैया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात अमृत मीणा, डीएसपी ट्राफिक मयंक सिंह चौहान की मौजूदगी में उपस्थितजनों को यातायात नियमों के अनुपालन एवं सड़क सुरक्षा हेतु संकल्प एवं शपथ दिलाई गई।

यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूकता जरूरी-

संकल्प कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात अमृत मीणा ने देश में प्रतिवर्ष होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह एक संवेदनशील विषय है क्योंकि देश में सबसे अधिक अकाल मौतें सड़क दुर्घटनाओं की वजह से होती हैं। प्रतिवर्ष देश में लगभग डेढ़ लाख अकाल मौतें एवं लगभग 4 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायल होते हैं। जबलपुर जिले में सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 3000 अकाल मौतें एवं लगभग 400 घायल होते हैं। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि लोग यातायात नियमों के पालन को लेकर जागरूक हों ताकि जीवन की सुरक्षा की जा सके।

यातायात नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी-

विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। संचालन विजन ऑर्डनेंस जबलपुर अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर रादुविवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र, प्रो. रामशंकर, डॉ. रामकुमार गुप्ता सहित प्राध्यापक, अतिथि विद्वान, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं सहित विजन ऑर्डनेंस जबलपुर के सीएस राजपूत, डीएस भारती, टेकचंद अधिकारी, एके चटर्जी, सीपी राज, नारायण रैकवार, यशवंत राव सहित अन्य सदस्यगण मौजूद रहे।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग द्वारा प्रकाशित, संरक्षक- कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, मुद्रक, प्रकाशक- कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा, प्रधान संपादक- विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक, संपादक मंडल: संपादक-डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, सह संपादक- डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. मोहनिका गजभिए, संपादकीय टीम समस्त छात्र-छात्राएं पत्रकारिता विभाग, रादुविवि